प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

117वें किसान मेले में कुलपति द्वारा स्टालों का निरीक्षण

विश्वविद्यालय में चल रहे 117वें किसान मेले में आज दूसरे दिन विश्वविद्यालय कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बीना चौहान के साथ अधिष्ठाता, कृषि डा. सुभाष चन्द्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. ए.एस. जीना, निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. जितेन्द्र क्वात्रा, निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल, निदेशक जैव प्रौद्योगोकी डा. संजय चौधरी एवं सहायक निदेशक संचार डा. अर्पिता काण्डपाल के साथ अवलोकन किया गया जिसमें सहकारी खेती द्वारा सतत कृषि विकास पर कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये नवाचारों के विभिन्न प्रकार के मॉडल, प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा सौर उर्जा से चलने वाले किसानोपयोगी संयंत्रों, हाईड्रोपोनिक्स तकनीक द्वारा बिना खेत में लगाये फसलों की खेती आदि का प्रदर्शन, पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय द्वारा उत्तराखण्ड की पहली कुक्कुट नस्ल उत्तरा फाउल, कडकनाथ, आर.आई.आर. एवं ऑस्ट्रोलार्प और जापानी बटेर के साथ पशुओं में लगने वाली विभिन्न बीमारियों आदि का प्रदर्शन, मत्स्य महाविद्यालय द्वारा परिशुद्ध मछली उत्पादन, शीत जल मत्स्य उत्पादन पर विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के मॉडल का प्रस्तुतिकरण, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के पत्थरों पर चित्रकारी, एपलीक के माध्यम से घरेलू साज–सज्जा हेतु विभिन्न प्रकार के उत्पाद के नमूनों का प्रदर्शन तथा विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा कृषि नवाचार में विज्ञान का महत्व एवं योगदान पर विभिन्न प्रकार के मॉडलों के माध्यम से प्रदर्शन सम्मिलित हैं। साथ ही साथ विश्वविद्यालय पुस्तकालय द्वारा विश्वविद्यालय की पुरातन गतिविधियों एवं विश्वविद्यालय के इतिहास से संबंधित छायाचित्रों का संकलन प्रभारी पुस्तकालय एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया। मेले में समस्त फसलों संबंधी समस्याओं एवं उनका निवारण हेतु हालोमंडी ऐप किसानों के लिए मुख्य आर्कषण का केन्द्र रहा।

विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा लगाये गये सहकारी खेती द्वारा सतत कृषि विकास पर बनाये गये मॉडलों के माध्यम से नवाचारों का अवलोकन किया गया और उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की एवं उनको महत्वपूर्ण सुझाव दिये तथा 9 कृषि विज्ञान केन्द्रों के संयुक्त स्टाल एवं एफपीओ, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा उत्पादित श्रीअन्न (मोटे अनाज), अन्य सकल घरेलू उत्पाद एवं विभिन्न प्रकार की सब्जियों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मोटे अनाज से बने व्यंजनों का सेवन किया तथा ग्रामीण महिलाओं द्वारा किये जा रहे इन प्रयासों की सराहना की एवं उनके उत्पाद में बढ़ोत्तरी करने हेतु सुझाव भी दिये। इस अवसर पर कुलपति ने किसान मेले में महाविद्यालयों के स्टालों पर विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये मॉडल के बारे में जानकारी ली और उन्होंने विद्यार्थियों की सराहना की।

विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये मॉडल की जानकारी प्राप्त करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य।

कृषि विज्ञान केन्द्र के स्टालो का अवलोकन करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य। ।

निदेशक संचार